Snehal Sindhu

Monthly Bulletin for Divine Message of Spiritual Relationship, Friendship and Love

Vol. 010 Issue 11-12 NOV-DEC 2024 Pages 16 A.S. Rs 100

2024 Annakut Celebration at Megaragus Hall, Chandivali-Powai

सत्संग समाचार

❊ विक्रम संवत २०८० के दिवाली पर्व के उत्सव के प्रथम चरण में मंगलवार, दि. २९ अक्टूबर को शाम को 'अक्षरधाम' स्वामिनारायण मंदिर, पवई में प.पू. दिनकरभाई और सभी संतभाईयों, संतबहनों, हरिभक्तों की हाजरी में धनतेरस की विशिष्ट महापूजा भक्तिभाव से हुई।

लक्ष्मीपूजन की विशिष्ट महापूजा पू. हितेनभाई तथा प.पू. वशीभाईने की। अंत में भरतभाईने सभी भक्तों की सुखाकारी और समृद्ध जीवन के लिये विशिष्ट संकल्प और प्रार्थना की।

प.पू. भरतभाई ने अपने आशीष में कहा कि गलत तरीके से प्राप्त किया हुआ धन कभी भी सुख नहीं देता। इसलिये स्वामिनारायण भगवानने शिक्षापत्री में नीतिमय धन प्राप्ति की आज्ञा दी है। हमारा सच्चा धन यानि प्रभु की प्राप्ति ही है। Any amount of money is wealth. लेकिन वह सच्ची समृद्धि नहीं है। सच्ची समृद्धि क्या है? उसमें तीन बात आती है। (1) Health (2) Happiness (3) Harmony. ये तीन बात नहीं होगी तो कितना भी धन होगा उसका कोई फायदा नहीं है। धनतेरस का दिन धनवंतरी वैद से भी जुडा है। समुद्रमंथन हुआ उसमें से जो अमृत निकला वह हमारे स्वास्थ्य से जुडा है। इसलिये हमें हमारे देह को अच्छा रखना है। मन की शांति ही हमें सच्चा सुख देती है। आध्यात्मिकता में हमें सभी के साथ संवादिता बनाकर रखना है। उसके लिये हमारी दृष्टि प्रभु की ओर होनी चाहिए और उनकी प्राप्ति का आनंद अखंड होना चाहिए। तो ही Harmony बनी रहती है। तो ये तीन बातें सभीके जीवन में सहज ही हो जाये वही प्रार्थना।

प.पू. दिनकरभाई ने अपने आशीष में कहा कि हर साल हम शिकागो में मंदिर में धनतेरस की पूजा करते है। पहलीबार यहाँ पवई में ये पूजा करने का लाभ मिला। आज तक के इतिहास में सबसे बडा धनवान नंदराजा थे। उसके बारे में स्वामी की बात के प्रकरण १० की १८ में लीखा है। जब गुरुहरि काकाजीने मुझे शास्त्रीजी महाराज की अस्थि दी थी तब कहा था कि नंदराजा के पास जो हड्डी थी उससे भी बडी बख्शिश आपको दी है। गुणातीतानंदस्वामीने ऐसे कहा था कि सोना का मकान हो उसको बेचकर भी कथा सुनना। आज धनपूजा के साथ धुनपूजा है। जितनी ज्यादा धुन करेंगे उतना काम होगा। भरतभाईने जो तीन चीज बताई उसमें हमें Mastery करनी है। **(१)** इस उम्र में भी मैं कसरत करता हूँ। बिना Gym भी हम कसरत कर सकते है। **(२)** भोजन - हम जितना भोजन लेते है उसका १/४ ही खाना चाहिए।

Dhanteras Pooja at "Akshardham" Temple, Powai

(३) आराम – हमें हररोज ६-७ घंटे की नींद करनी चाहिए। **(४)** सकारात्मक विचार – हमारे अंतर में सकारात्मक विचार बहुत फायदे करते है। तो ये चार बातें हम दृढ कर ले वही प्रार्थना।

प.पू. वशीभाई ने कहा कि आज डॉलर की बहुत महत्ता है। Create the Wealth, Protect the Wealth and Distribute the Wealth. अगर हम मानते है कि हमें सत्पुरुष की प्राप्ति हो गई है तो हमारी जिम्मेदारी बहुत बढ जाती है। गुरुहरि काकाजी को अपने गुरु शास्त्रीजी महाराज और योगीजी महाराज पर ऐसा अतूट भरोसा था। गुणातीत संतोंने अपना सबकुछ न्योछाँवर कर दिया। विज्ञानने ऐसा बताया है कि जिसका Hemoglobin अच्छा होता है उसकी सेहत अच्छी होती है, लेकिन जिसका Immunoglobulin अच्छा होता है उसका सबकुछ अच्छा होता है। Immunoglobulin अच्छा होना यानि स्वभाव। जो छोडना जानता है, उसका स्वभाव सकारात्मक विचारों से भरा होता है। उसका Immunoglobulin बढते ही रहता है। जिंदगी बहुत छोटी है और हमें बहुत कुछ करना है। यहाँ ये Project बन रहा है तो हम सभी की जवाबदारी बहुत ज्यादा बढती है। किसीको कुछ भी बोल दे, मन में आये ऐसा बर्ताव करें ये सब नहीं चलेगा। काकाजीने बहुत कम समय में ये गुणातीत समाज खडा किया है। उन्होंने जो कार्य किया है उसे हमें आगे बढाना है। हमारे गुरु के साथ का हमारा संबंध बढता रहना चाहिए। ब्राह्मीशक्ति पूरजोर से काम कर रही है। तो हमारी आध्यात्मिकता में हम धन की वृद्धि ज्यादा करें वही प्रार्थना।

Hanumanji Pooja at "Akshardham" Temple, Powai

❊ **दूसरे चरण में बुधवार, दि. ३० अक्टूबर को अक्षरचौदस** निमित्त प.पू. दिनकरभाई, प.पू. भरतभाई, प.पू. वशीभाईने मंदिर के पूजारी प.भ. अंबरीषभाई तथा संतभाईयों, संतबहनों की उपस्थिति में श्री हनुमानजी की विशिष्ट पूजा की।

❊ तीसरे चरण में **गुरुवार, दि. ३१ अक्टूबर** दिवाली के दिन सायं ७ बजे **शारदापूजन-चोपडापूजन निमित्त प.पू. वशीभाईने महापूजा में विधि करवा कर** विशिष्ट संकल्प करवाया।

Sharda Poojan at "Akshardham" Temple, Powai

प.पू. भरतभाई ने आशीष देते हुए कहा कि अमावास्या के दिन दिवाली आती है। उस दिन रात को पूरा अँधेरा होता है, लेकिन दिपावली का दिन होने से सभी दीप जलाते है। इसकी महत्ता इसलिये

है क्योंकि आज के ही दिन रामचंद्रजी वनवास पूर्ण कर अयोध्या पधारे थे। हमें एकदूसरे के प्रति संवादिता बढानी है। आज के दिन सभी घर की सफाई करते है, लेकिन हमें अंतर की गंदकी को साफ करना है। अंदरोअंदर सुहृदभाव बढायेंगे वह सच्ची दिपावली है। हमें जो भी बीच में आ रहा है उसे हटाने के लिये संकल्प करना है। आज के दिन हमें १ घंटा धुन करना है। अगली दिवाली आने तक हमें हमारे लक्ष्य की ओर आगे बढना है। हरेक बात में हमें हमारा Attitude बदलना है। आज के दिन हमें ऐसा संकल्प लेना है कि जिससे हम प्रभु की प्रसन्नता का पात्र बने। जो भी कार्य करें उसे नियमित बनाना चाहिए। हम कथावार्ता सुनते है, उसे जितना याद रखकर जीवन में उतारेंगे वह जरुरी है। तो हमारे जीवन का लेखाझोखा सही तरीके दृढ करें वही प्रार्थना।

प.पू. वशीभाई ने कहा कि आज के दिन की महत्ता क्या है कि जो भी लेनदेन का काम करो उसे लिखो। स्वामिनारायण भगवानने शिक्षापत्री में यही नियम दिया है। हिसाब का लेखाझोखा किये बिना हमको पता चलेगा ही नहीं कि हमारे व्यवहार में हम कहाँ तक पहुँचे है। धंधे में कितना फायदा हुआ वो खुद को पता होना चाहिए। उससे आगे हमें ओर कितनी ज्यादा महेनत करनी है वह समझमें आयेगा। हमें खुद को देखना है कि गई दिवाली के बाद आज आध्यात्मिकता में हम कितने आगे बढे। दिवाली तो आती-जाती रहेगी लेकिन जिंदगी में बदलाव नहीं आयेगा तो कोई फायदा नहीं है। हमने व्यवहार के साथ आध्यात्मिकता में भी कितनी प्रगति क वह हमें स्वयं को पूछना चाहिए। हमारे स्वभाव में हम कितने सकारात्मक विचार से बर्ताव करते है वह सोचना चाहिए। तो हम हमारे लक्ष्य में बहुत आगे बढे वही प्रार्थना।

प.पू. दिनकरभाई ने आशीष देते हुए कहा कि मैं Abott Laboratories में मेनेजर का कार्य कर रहा था, तब हमारे नीचे जो काम करते थे उन्हें उनका जो Goal है वह लिखकर देने कहते थे। फिर

उसमें सुधार कर उस प्रकार जीने का मार्गदर्शन देते थे। उसमें हमने एक शब्द बनाया था - SMART. ये पाँच शब्दों से Goal बना होना चाहिए। उसमें S-Specific - (निश्चित)। हमारा Goal specific होना चाहिए। हमें धुन करने की आज्ञा है तो केवल स्वामिनारायण बोल दिया ऐसे नहीं, लेकिन ११ बार मंत्रजाप करना वह specific होना चाहिए। गुरुहरि काकाजी कहते थे कि specific समय और स्थान पर मंत्रजाप करो। M-Measurable - ११ माला करने के लिये हाथ में माला होनी चाहिए या उसकी गिनती करो। वह Measurable होना चाहिए। A-Achievable - हमारा Goal हम achieve कर सके ऐसा होना चाहिए। हम हमारे लक्ष्य पर पहुँच सके ऐसा बनाना चाहिए। R-Relevant - हमारा Goal अशक्य नहीं होना चाहिए। T-timing - हमने जो नक्की किया है उसे समय पर पूर्ण करना चाहिए। आज सुबह महापूजा में बात की थी उसके मुताबिक Health, Happiness, Harmony. यह तीन बातें भी हमें जीवन में दृढ करनी है। गुरुहरि काकाजी महाराजने संप-सुहृदभाव-एकता की बात की थी वह उसमें आ जाती है। ये सारी बातें हम हमारे जीवन में उतारेंगे तो आनंद में रहेंगे। वह हम सहज कर पाये वही प्रार्थना।

❊ **अंतिम चरण में नूतन वर्ष विक्रम संवत २०८१ के प्रथम दिन शनिवार, दि. २ नवंबर को सुबह ९.३० बजे** विशेष महापूजा-सत्संग और स्नेहमिलन का कार्यक्रम Megaragus Hall हुआ।

Annakut at Megaragus Hall, Chandivali-Powai

प्रारंभ में प.पू. वशीभाई ने नूतन वर्ष निमित्त महापूजा में सभी भक्तों के सर्वांगी उत्कर्ष के लिये संकल्प और प्रार्थना की। बाद में प.पू. दिनकरभाई और प.पू. भरतभाई ने नूतन वर्ष निमित्त विशिष्ट आशीष दिये।

इस उपलक्ष्य में चांदिवली के विधानसभ्य श्री. मामा दिलीप लान्डेजी खास पधारे थे। संतभाईयोंने उनका अभिवादन भी किया।

भजन मंडल के गायकवृंदने थाल गाकर ठाकोरजी के चरणों में अपना भाव रखा।

उस के बाद करीब १२०० हरिभक्तों की उपस्थिति में १००० से भी ज्यादा व्यंजनों अन्नकूट के रुप में ठाकोरजी और गुणातीत स्वरुपों के आगे कलात्मक तरीके से रखे गये। अंत में संतभाईयों, संतबहनों और हरिभक्तोंने अन्नकूट की विशिष्ट आरती भी की।

With Shri. Mama Dilip Landeji

सभी युवक-युवतीओं, भाभीओंने अन्नकूट की व्यवस्था बहुत ही अच्छे से की। देश-विदेश के कई हरिभक्तोंने इस स्नेहमिलन समारंभ में भाग लिया।

उसी प्रकार गुणातीत समाज के अन्य सभी केन्द्रों में भी उत्साहपूर्वक दिवाली और नया साल अन्नकूट उत्सव के साथ मनाया गया।

Annakut at Megaragus Hall, Chandivali-Powai

❊ मंगलवार, दि. ५ नवंबर को नये साल की शुभकामना देने श्री. निरंजन हिरानंदानीजी को मिलने प.पू. दिनकरभाई के साथ संतभाईयों, बहनों उनके ऑफिस गये थे और उन्होंने सभीका स्वागत किया।

With Shri. Niranjan Hiranandaniji

❊ बुधवार, दि. ६ से रविवार, दि. १० नवंबर दौरान गुरुहरि पप्पाजी के १०८वे प्रागट्यदिन निमित्त गुणातीत ज्योत, विद्यानगर में पवई के सभी संतभाईयों, संतबहनों और करीब ८५ हरिभक्तों पधारे थे।

पवई मंदिर की ओर से पप्पाजी के लिये विशिष्ट भजन प.भ. उर्मिलाबहन और संगीतवृंदने भक्तिभाव से प्रस्तुत किया। साथ ही भाईयोंने पप्पाजी की मूर्ति को हार भी अर्पण किया।

Guruhari Pappaji Maharaj 108th Pragatyadin Celebration at Pappaji Tirth, Vidhyanagar

साथ ही वडताल मंदिर के द्विशताब्दी पर्व के पावन अवसर पर जो समैया रखा गया था उसके दर्शन के लिये भी गये थे।

उसके बाद नडियाद, सांकरदा, हरिधाम केन्द्रो में खास दर्शन के लिये गये थे।

वहाँ से दिनकरभाई, किशोरभाई मास्टर्स, अेन्जीबहन, संकेतभाई खैरे अहमदाबाद में कईं हरिभक्तों के घर पधरामणी करके वहाँ के अनुपम मिशन में भी दर्शन किये।

At Vadtal

At Nadiad

❊ **गुरुवार, दि. ७ नवंबर की भजन संध्या अनुपम मिशन, मोगरी में संतभगवंत साहेबजी, प.पू. अश्विनभाई तथा अन्य संतभाईयों, हरिभक्तों की हाजरी में भक्तिभाव से मनाई गई।** साथ ही प.पू. दिनकरभाई का ८०वाँ प्रागट्यदिन भी उत्साह से मनाया।

उसके बाद संतभगवंत साहेबजी, प.पू. वशीभाई और प.पू. दिनकरभाई के आशीष सभीको प्राप्त हुए। उसके बाद दिनकरभाईने कई हरिभक्तों के घर पधरामणी की।

Bhajan Sandhya at Anoopam Mission , Mogri

❊ शुक्रवार, दि. १५ नवंबर शाकोत्सव 'अक्षरधाम' स्वामिनारायण मंदिर, पवई में प.पू. दिनकरभाई, प.पू. भरतभाई, प.पू. वशीभाई, पू. राजुभाई, पू. अश्विनभाई और अन्य संतभाईयों, संतबहनों और कई हरिभक्तों की हाजरी में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

Shakotsav at "Akshardham" Temple, Powai

❊ **सोमवार, दि. २१ से शनिवार, दि. २३ नवंबर दौरान प.पू. दिनकरभाइ, प.पू. किशोरभाइ मास्टर्स, पू. अेन्जीबहन और प.भ. संकेतभाई खैरे इंदौर, हैद्राबाद की यात्रा के लिये रवाना हुए।**

❊ **रविवार, दि. २९ नवंबर को 'अक्षरधाम' मंदिर, पवई में गुरुहरि काकाजी के परम लाडले और पवई मंदिर के वरिष्ठ संतभाई पू. राजुभाई ठक्कर का ७८वाँ, पू. रमेशभाई सोनी, प.भ. भावेशभाई देसाई, प.भ. राजुभाई आहिर और अन्य भक्तों के प्रागट्यदिन 'युवकदिन' के रुप में शाम ६.३० बजे मनाया गया।**

P.P. Rajubhai's 78th Pragatyadin celebration at "Akshardham" Temple, Powai

❊ शनिवार, दि. ३० नवंबर को सुबह 'अक्षरधाम' स्वामिनारायण मंदिर, पवई में प.पू. कांतिकाका के ३८वे स्मृतिदिन निमित्त विशिष्ट पूजन विधि पवई के संतभाईयों, संतबहनों और स्थानिक हरिभक्तों की हाजरी में हुई। प.पू. वशीभाईने कांतिकाका को याद करते हुए विशिष्ट प्रार्थना और संकल्प किया।

उसी दिन शाम को गोरेगांव में प.पू. प्रेमस्वरुपस्वामीजी के उपस्थिति में आयोजित विशेष आत्मीय सभा में प.पू. दिनकरभाई, प.पू. वशीभाई, पू. राजुभाई, पू. अश्विनभाई और प.भ. घनश्यामभाई अमीन खास उनके दर्शन के लिये गये थे।

P.P. Kantikaka Smrutidin Pooja

With P.P. Premswaroopswamiji at Goregaon

❊ बुधवार, दि. ४ से सोमवार, दि. ९ दिसंबर दौरान पवई के संतभाईयों की मर्जी तथा युवकों के अथाक परिश्रम से हरिभक्तों के लिये विशिष्ट यात्रा का आयोजन कच्छ-भुज में रखा गया था। इस यात्रा में भगवान स्वामिनारायणने नीलकंठवर्णी के रुप में जो विचरण किये थे उन सभी प्रासादिभूत स्थानों के दर्शन का लाभ सभीको मिला।

विजय विलास पेलेस, स्वामिनारायण भगवान प्रसादी स्थान मीठी वीरडी, राम मंदिर, श्री कंठेश्वर महादेव मंदिर, गंगाराम मल्ल का स्थान, अंजार मंदिर, सफेद रण, भुज स्वामिनारायण मंदिर, रापर-नगासार लेक जैसे कई स्थानों पर दर्शन किये।

At Vijay Vilas Palace

At Prag Mahal

At White Rann of Kutch

At Bhuj Old Swaminarayan Temple

At Bhuj Old Swaminarayan Temple

At Jigneshbhai & Urmilaben's home, Rapar

At Bhuj New Swaminarayan Temple

At Nagasar Lake, Rapar

At Prasadi Mithi Virdi

At Shaileshbhai's home, Rapar

At Shree Kantheshwar Mahadev Temple

At Dream Dance Academy, Rapar

साथ ही रापर में प.भ. बीन्नीबहन के Dream Dance Academy तथा प.भ. शैलेषभाई के घर पधरामणी की।

पूरे शिबिर की व्यवस्था में प.भ. मितेशभाई, पू. मननभाई, पू. विशालभाई, प.भ. संकेतभाई मेघानंद, प.भ. आकाशभाई, प.भ. प्रसादभाई पाटिल, प.भ. समाधानभाई, प.भ. विकासभाई, प.भ. रसेशभाई, प.भ. मनाक्षभाई, प.भ. मुकेशभाई जाधव, प.भ. अक्षयभाई फुटाने तथा अन्य युवकों-युवतीओं, भाभीओंने बहुत अच्छी सेवा की।

❊ सन् २०२४ की अंतिम भजन संध्या शनिवार, दि. ७ दिसंबर कच्छ-भुज के उपासना धाम शिनोय मंदिर में प.पू. दिनकरभाई, पू. किशोरभाई मास्टर्स और पवई के संतभाईयों, संतबहनों तथा कई हरिभक्तों की हाजरी में आनंदोत्सव के साथ मनाई गई।

इस उपलक्ष्य में माणावदर के पू. अशोकबाबुजीने काकाजी की स्मृति में 'हे! स्नेहलसिंधु' भजन प्रस्तुत किया।

प.पू. भरतभाई ने आशीष देते हुए कहा कि जब हम गांधीधाम उतरे तब विरलभाई पूरा मंडल लेकर सारी व्यवस्था के साथ हमारी सेवा में पहुँच गये थे। हमारी यात्रा का सबसे बडा चमत्कार यह है कि ३०० हरिभक्तों के साथ विचरण कर रहे है लेकिन सभी समय पर पहुँच जाते है उसके लिये सभीको धन्यवाद देते है। स्वामिनारायण भगवान ३० साल गुजरात में रहे थे। उसमें से २० बार वे कच्छ आये थे। उससे आज पूरे कच्छ में स्वामिनारायण की बोलबाला हो गई है। यहाँ पर काठी, कोळी, कणबी जैसे लोग भी आज स्वामिनारायण धर्म के आश्रित हो गये है। ऐसे हमारे गुणातीत संत भी यहाँ बार-बार आते है। तारदेव मंदिर में हम सभी भाईयों साथ में रहते थे तब एक रात मुझे बहुत बुखार आया था। मैं हिल भी नहीं पा रहा था। मैंने जोर से आवाज लगाई तो राजुभाई ठक्कर आये। उन्होंने तुरंत काकाजी को बुलाया। काकाजीने हरखचंदभाई को ठंडा दूध लाने को कहा। मैंने वो पीया और मुझे अलग ही ऊर्जा मेरे

Bhajan Sandhya at Upasana Dham, Shinay Temple, Gandhidham

शरीर में महसूस हुई। सुबह मेरी तबियत इतनी अच्छी हो गई कि रात को मुझे कुछ हुआ था ऐसा बोल ही नहीं सकते। इसी तरह काकाजीने मुझे जीवनदान दिया। जितनी ऐसे गुणातीत स्वरुपों के प्रति निष्ठा पक्की होगी उतनी हमारी ज्यादा रक्षा होगी। तो हम सकारात्मक विचारों से भरे रहे वही प्रार्थना।

प.पू. दिनकरभाई ने आशीष देते हुए गुरुहरि काकाजी की अंतिमविधि के बारे में और पूरे गुणातीत समाज में भजन संध्या का आरंभ कैसे हुआ उसकी बात की।

अनुपम मिशन की ओर से संतभाईयोंने पवई के संतभाईयों को विशिष्ट भेट अर्पण की।

Bhajan Sandhya at Upasana Dham, Shinay Temple, Gandhidham

❊ शुक्रवार, दि. १३ दिसंबर को प.प. दिनकरभाई और प.पू. भरतभाई प.पू. गुरुजी के त्रिमासिक प्रागट्यदिन में शामिल होने खास दिल्ली पधारे थे।

❊ शुक्रवार, दि. २० दिसंबर को पवई के Rodas Hotel में Vaman Hari Pethe Jwellers के Exibition के उद्घाटन में पवई के सभी संतभाईयों तथा संतबहनोंने भाग लिया था।

Bhajan Sandhya at Upasana Dham, Shinay Temple, Gandhidham

❊ मंगलवार, दि. २४ से शुक्रवार, दि. २७ दौरान सूरत में प.पू. प्रेमस्वरुपस्वामीजी के ७९वे प्रागट्यदिन एवं सणिया कणदे में नूतन मंदिर की मूर्तिप्रतिष्ठा निमित्त सभी संतभाईयों, हरिभक्तोंने बहुत ही भक्तिभाव और उत्साह से भाग लिया।

Opening of the exibition of Vaman Hari Pethe Jewellers at Powai

उसी दौरान वापी मंडलने प.पू. भरतभाई का प्रागट्यदिन भी आनंद-उल्लास से मनाया। उसके बाद वलसाड, कलगाम, रुमला-घोलार जैसे कई स्थानों में हरिभक्तों के घर पधरामणी करके सत्संग किया।

❊ रविवार, दि. २९ दिसंबर को प.पू. हरखचंदभाई का ८५वाँ तथा प.पू. हरिभाई साहेबजी प्रागट्यदिन 'अक्षरधाम' स्वामिनारायण मंदिर, पवई में भक्तिभाव से मनाया गया।

प.पू. वशीभाई ने कहा कि गुरुहरि काकाजीने हरखचंदभाई को मायिक में से अमायिक बनाया। वे ऐसे भक्त है जिनकी सुवर्णतुला करनी चाहिए। वे तारदेव मंदिर में हमारे साथ रहते थे तब उनकी प्रकृति बहुत अलग थी। उनके सोने के समय हम सभी भाईयों आनंद करते थे। फिर भी तब से लेकर आज तक हमारे साथ हिलमिलकर वे रहे है। यहाँ सबकुछ उनके स्वभाव से विरुद्ध होते हुए भी वे पवई को अपना घर मानकर सँभालते है। आज हम हरिभाई साहेब का भी प्रागट्यदिन मना रहे है। वे देवशीबापा के लाडले थे। गुणातीत समाज हरिभाई को कभी भूल नहीं सकता। माणावदर केन्द्र उनके परिश्रम से तैयार हुआ। उन्होंने काकाजी के आगे अपनी बुद्धि बंद करके उनका विशिष्ट राजीपा प्राप्त किया था। तो इन भाईयों के जैसी सेवाभक्ति हमारे अंदर भी आये वही प्रार्थना।

प.पू. दिनकरभाई ने आशीष देते हुए कहा कि हरखचंदभाई और हरिभाई साहेब की गुरुहरि काकाजी के साथ अनोखी एकता थी। हरखचंदभाईने काकाजी की मर्जी जानकर अपना सबकुछ छोडकर यहाँ आ गये। गुरु के लिये क्या न हो सके वह बात उनके जीवन से दिखाई देती है। पहले यहाँ पवई में पूरा जंगल था तब भी सबकुछ खुद का मानकर सँभाल लिया। ऐसे वे बहुत शूरवीर है। राजुभाई भट्ट की सेवा भक्तिभाव से की। जब अंतर का संबंध होता है तब ही ऐसे सेवा हो पाती है। आज हरिभाई साहेब और नरेशभाई मूले का भी जन्मदिन हम मना रहे है। नरेशभाईने रेफी क्लास के द्वारा कई युवाओं को सत्संग में जोडा है।

प.पू. भरतभाई ने आशीष देते हुए कहा कि गुरुहरि काकाजी की कृपा से हरखचंदभाई के साथ पवई के सभी भाईयों का अनोखा संबंध है। हम तारदेव मंदिर में साथ रहते थे तब बहुत प्रसंग बनते थे। फिर भी काकाजी के वचन से वे हमारे साथ जुडे रहे। खाना खाने से उनको पेट में बहुत तकलीफ होती थी। तो डॉ. डाभीने उनकी ऐसी सारवार की कि वो तकलीफ ही निकल गई। उनकी बीमारी खत्म हुई और राजुभाई भट्ट की सेवा में वे जुड गये। उन्होंने काकाजी की दो ही आज्ञा को पकडकर रखी - **(१)** सभीको अपना मानकर जीवन जीना और **(२)** यहाँ सभी की सेवा में रहना। दो बात पकडकर वे जीवन जीते है। वे प्रेमी भक्त है। जिनके साथ संबंध करते है उसका पूरा ध्यान रखते है। हरिभाई साहेब

P.P. Harakhchandbhai's 85th Pragatyadin celebration at "Akshardham" Temple, Powai

के जितने प्रसंग बताये उतने कम है। उनको सभी छोटे काका कहकर बुलाते थे। वो यहाँ पवई में काफी समय तक रहे थे। उन्होंने यहाँ की सभी बहनों को चप्पल दिलवाई थी। आर्थिक रुप से भी उन्होंने भाव से सेवा की। कर्ताहर्ता केवल महाराज ही है ऐसा मानकर जीवन जीते थे। हम स्वभाव और सोच से चलते है इसलिये सब खराब हो जाता है। कभी भी क्रोध नहीं करना चाहिए। सबकुछ प्रभु की मर्जी से होगा ऐसा मानकर आगे बढना चाहिए। ऐसे कर्ताहर्ता का भाव हमारे जीवन में सहज ही दृढ हो वही प्रार्थना।

अंत में पवई की ओर से सभी भाईयोंने हरखचंदभाई को हार पहनाया।

❊ **मंगलवार, दि. ३१ दिसंबर, २०२४ की साल के अंतिम दिन 'अक्षरधाम' स्वामिनारायण मंदिर, पवई में '२२४वे स्वामिनारायण महामंत्र प्रदान दिन' निमित्त विशिष्ट सभा के साथ आनंदोत्सव भी हुआ।**

विशिष्टरुप से इस सभा में युवाओं, गृहस्थों तथा बालकोंने अलग अलग रमतोत्सव के साथ आनंद किया।

प.पू. वशीभाई ने कहा कि २०२४ में बहुत सारे प्रसंग हुए। तीन बात मैं बताता हूँ। **(१) दुनिया (२) भारत (३) सत्संग की Analysis.** जो हो गया है उसके बाद जो बदलाव होंगे उसके लिये हमें अब तैयार होना ही पडेगा। गहनता से सोचेंगे तो समझमें आयेगा कितनी रहस्यमय बातें २०२४ में हुई। पवई में नूतनीकरण के Project का आरंभ, ऑस्ट्रेलिया में समूह महापूजा की, हमारी विदेशयात्रा, सूरत में दिनकरभाई का प्रागट्यदिन, गुणातीत ज्योत में पप्पाजी का प्रागट्यदिन, सूरत में मूर्तिप्रतिष्ठा और प्रेमस्वरुपस्वामीजी का प्रागट्यदिन ऐसे अद्भुत कार्य हुए। अब हमें तैयार हो जाना है। तो आनेवाली २०२५ की साल हमारे जीवन में एक नया प्रकाश लेकर आये वही प्रार्थना।

प.पू. भरतभाई ने आशीष देते हुए कहा कि जो काम ५० साल में हो वो आज ५ साल में होते है। ऐसा २०२५ की साल ओर गतिमान युग लेकर आ रहा है। अब हमें सावधान होना होगा। उसके लिये आनेवाला समय के लिये तीन बात हमें ध्यान में रखनी है। **(१)** Alert रहो - जो भी कार्य जिस समय पर नक्की करें वो उसी समय पूरा करें। **(२)** Do your best - हर कार्य एकदम उत्तम तरीके से करें। **(३)** प्रभु को आगे रखो - ज्यादा से ज्यादा भगवान की मूर्ति में रहना है। गुरुहरि काकाजी महाराजने हमें कितनी सारी Techniques दी है। उसमें अब हमें आगे बढना चाहिए। काकाजीने बताई हुई स्वामी की बातें, वचनामृत, सुनृत के मुद्दे ये सब हमें मुखपाठ होना ही चाहिए। एक नियम दृढ करना है कि हररोज सत्संग की कोई ना कोई पुस्तक जरुर से पढना। भगवान को आगे रखकर काम करेंगे तो सहज ही सब हो जायेगा। यहाँ नूतनीकरण का **Project** तैयार हो जायेगा लेकिन Activities का Software तैयार करने में समय लगेगा। तो तन-मन-धन से हमें इस कार्य में जुडना है। संप-सुहृदभाव-एकता से कार्य करेंगे तो बहुत अच्छे से सब होगा। तो २०२५ में हम इस दिव्य कार्य को ज्यादा आगे बढाये वही प्रार्थना।

प.पू. दिनकरभाई ने आशीष देते हुए कहा कि सन् १९६६ में मैं अमरिका गया। १ साल में पढाई करके भारत आने का तय किया था। लेकिन वहाँ नौकरी की और सत्संग की प्रवृत्तियों में जुड गये। अमरिका में रहते हुए आज ५८ साल हो गये। २०२४ में पहलीबार ६ महिने से ज्यादा मैं भारत में रहा। यहाँ तक दिवाली भी पहलीबार यहाँ पवई में मनाई।

उसके बाद दिनकरभाई की आज्ञा से कई भक्तोंने २०२४ के स्वानुभाव के प्रसंग बताये।

❊ ❊ ❊

અક્ષરધામ ગમન

❊ **ગુરુહરિ કાકાજી મહારાજની કૃપાદૃષ્ટિ પામેલા અને તારદેવ-પવઈ મંદિરના સંતભાઈઓ, સંતબહેનોની અદ્ભુત સેવા કરી સહુની પ્રસન્નતા પ્રાપ્ત કરેલા એવા નિષ્ઠાવાન ભક્તરાજ પ.ભ. ચીમનભાઈ (મહારાજ) ૭૦ વર્ષની વયે તેમના ગામ રૂમલામાં રવિવાર, તા. ૧૭ ડિસેમ્બરના સવારે સુખે-સુખે અક્ષરનિવાસી થયા.**

થોડાં વર્ષ પહેલાં તેમનું સ્વાસ્થ્ય બગડ્યું હતું, પરંતુ સમયસર સારવાર અને સર્વે સંતભાઈઓ, સંતબહેનો તથા હરિભક્તોના ભજનથી તેમની તબિયત સારી થઈ ગઈ હતી અને તેઓ ફરીથી પહેલાંની જેમ જ રસોડાની સેવામાં આવી ગયા હતા. તેમની વિશિષ્ટતા એ હતી કે ગમે તેવો ભીડો હોય પરંતુ તેઓ હંમેશાં સદાય હસતાં જ રહેતા અને વિવિધ પ્રકારના મુક્તો સાથે પણ હંમેશાં કાકાજીનો અને સહુ ભાઈઓ સાથેનો સંબંધ જોઈ સર્વે સાથે તેમની રીતિ મુજબ હસતે મોઢે સેવા કરી લેતા. ઘણી વખત તો ગુણાતીત સમાજના વડીલો કે મહેમાનો અચાનક પધરામણી કરે તો પણ ચીમન મહારાજ હોય એટલે રસોડાની સેવા બાબત કોઈને જોવાનું

Trayodashi Mahapooja of P.B. Chimanbhai at Rumla

રહેતું નહીં. આમ લગભગ છેલ્લાં ૩૫ વર્ષથી પણ વધુ સમય સુધી તેમણે સહુની એકસરખી નિર્દોષબુદ્ધિથી, દિવ્યભાવથી તથા કોઈપણ જાતની ફરિયાદ કર્યા વગર એકધારી સેવા કરી સર્વેનો ભરોસો અને રાજીપો પ્રાપ્ત કર્યો હતો. તેઓ ક્યારેય પણ ઉદાસ, ગમગીન કે ગુસ્સે થયેલા જોવામાં આવ્યા નહોતા. એમની ખાસિયત જ એ હતી કે ગમે તેવા પ્રસંગે તેઓ હંમેશાં ખુશખુશાલ રહેતા અને તેમની આગવી ઢબ પ્રમાણે સહુને રાજી રાખી શકતા.

તેમના સ્વધામગમન વખતે સહુ સંતભાઈઓ, સંતબહેનો યાત્રામાં ગયાં હોવાથી વાપીથી પ.ભ. રમણભાઈ લાડ, પ.ભ. દિનેશભાઈ લાડ અને પ.ભ. પ્રકાશભાઈ તેમની અંતિમ ક્રિયા વખતે સમગ્ર સમાજ વતી હાજર રહ્યા હતા અને તેમને ભાવપૂર્ણ શ્રદ્ધાંજલિ આપી હતી. વિચરણમાંથી આવ્યા બાદ **તા. ૨૭ ડિસેમ્બરે સવારે તેમની ત્રયોદશીની મહાપૂજામાં** પધારીને પ.પૂ. ભરતભાઈ, પ.પૂ. વશીભાઈ અને સંતભાઈઓ રૂમલા ગયા હતા અને મહાપૂજા કરી તેમના સર્વે કુટુંબીજનોને ખાસ આશ્વાસન આપી સહુને માટે પ્રાર્થના પણ કરી હતી.

ચીમનભાઈ જેવી નિષ્ઠા, સેવાભાવના, સહુ મુક્તો પ્રત્યે એકસરખો દિવ્યભાવ ને નિર્દોષબુદ્ધિ જેવા દિવ્ય ગુણો સહુને પ્રાપ્ત થાય એ જ ભગવાન સ્વામિનારાયણ, ગુરુહરિ કાકાજી, તથા સહુ ગુણાતીત સ્વરૂપોનાં ચરણોમાં પ્રાર્થના.

❋ ❋ ❋

Summary of Events

(1) Celebrations of Diwali and New Year Festivals at "Akshardham" Temple, Powai and Megarugas Hall, Chandivali from 29th October to 2nd November. (2) Visit by P.P. Dinkarbhai, P.P. Bharatbhai, P.P. Vashibhai and P. Angieben and Saint Brothers to meet Shri. Niranjan Hiranandani on 5th November. (3) Visit by all Saint Brothers, Sisters and devotees at Gujarat from 6th to 10th November. (4) Bhajan Sandhya at Anoopam Mission,

RNI Regn No : MAHMUL/2015/62272
Date of publication: 8th of every month
POSTED AT MUMBAI PATRIKA CHANNEL SORTING OFFICE MUMBAI 400001

Postal Regn No: MCW/329/2018-20
Date of posting:11th of every month

Mogri on 7th November. (5) Shakotsav at "Akshardham" Temple, Powai on 15th November. (6) Visit by Saint Brothers to Indore and Hyderabad from 18th to 23rd November. (7) P.P. Rajubhai Thakkar's Pragatyadin and Yuvak Day celebration at "Akshardham" Temple, Powai on 27th November. (8) Visit by Saint Brothers to Atmiya Shibir in the presence of P.P. Premswaroopswamiji at Goregaon on 30th November. (9) Visit by all Saint Brothers, Sisters and devotees in Kutch-Bhuj from 4th to 9th December. (10) Bhajan Sandhya on 7th December at Upasana Dham, Shinay Temple. (11) Visit by Saint Brothers for P.P. Guruji's Quarterly Pragatyadin celebration at Delhi on 13th December. (12) Visit by Saint Brothers, Sisters and devotees in Vaman Hari Pethe Jewellers Exhibition at Powai on 20th December. (13) P.P. Premswaroopswamiji's 79th Pragatyadin Celebration at Surat on 27th December. (14) P.P. Harakhchandbhai's 85th and Haribhai Saheb's Pragatyadin celebration at 'Akshardham" Temple, Powai on 29th December. (15) Celebration of 224th "Swaminarayan Mahamantra Pradan Din" (Invocation Day) and welcome of New Year 2025 with a Special Mahapooja, Dhun and Blessings at "Akshardham" Temple, Powai on 31st December. (16) P.B. Chimanbhai (Kitchen Maharaj's) Swadhamgaman on 17th December at Rumla.

Space for address

Space for franking

Printed Matter - Book Post

From

YOGI DIVINE SOCIETY
6D Sonawala Building, Tardeo,
Mumbai - 400 007 Tel: 2380 2527

'Akshardham' Swaminarayan Temple,
Near Hiranandani Hospital, Powai, Mumbai - 400 076
Tel: 2578 2151/2579 4314 Email: isrc@kakaji.org

Printed & Published by Bharat P Mehta on behalf of Yogi Divine Society & Printed at Jalaram Enterprise, Fairy Manor, 13, Rustom Sidhwa Marg (Gunbow Street), Fort, Mumbai - 400 001
& Published by Yogi Divine Society, 6D, Sonavala Building, 4th Floor, Tardeo, Mumbai - 400 007.

Editor: Bharat P Mehta